चन्देल शिल्प में संगीत और नृत्य

डा. महेन्द्र वर्मा

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशक :
कुमार प्रकाशन
97, गंधीगर-झाँसी (उ0 प्र0) - 284002
दूरभाष : 445101
440294

© **डॉ0 महेन्द्र वर्मा**

(प्रथम संस्करण) - 1999

मूल्य - 150 रुपया

कम्पोजिंग एवं सेटिंग - **पीताम्बरा कम्प्यूटर**
45, चन्द्रशेखर आजाद, झाँसी (उ0 प्र0)-284002
फोन : 445162

मुद्रक : **अमर ज्योति ऑफसेट प्रेस, सदर बाजार झाँसी फोन - 470223**

Scanned with OKEN Scanner

चन्देल-शिल्प में संगीत और नृत्य

विषय - क्रम

पृष्ठभूमि *पृष्ठ*

चंदेल-शिल्प के पूर्व संगीत-नृत्य की परम्परा I - IV

अध्याय - 1 1-7

- हर्ष वर्धन की मृत्यु के पश्चात उत्पन्न राजनैतिक स्थिति एवं अनेक राज्यों का उत्कर्ष
- **चंदेल वंशीय शासन - परम्परा**
- नन्हुक, वाक् शक्ति, जय शक्ति, विजय शक्ति, राहिल यशोवर्मन, धंग, गंड, विद्याधर, विजयपाल, देववर्मन कीर्तिवर्मन, सलक्षण वर्मन, जय वर्मन, पृथ्वीवर्मन, मदन वर्मन, परमर्दिदेव, त्रैलोक्य वर्मन, वीर वर्मन, भोज वर्मन आदि ।

अध्याय - 2 8-15

- **चंदेलकालीन मंदिरों की निर्माण - परम्परा**
- मंदिरों की वास्तुकला की विशेषतायें
- खजुराहो मंदिर-समूह एवं गैराहा, गौड़, मदनपुर, अजयगढ़, बानपुर, चांदपुर-दूधई आदि स्थानों के हिन्दू तथा जैन मंदिर

अध्याय - 3 16-21

- **संगीत एवं उसका क्षेत्र तथा उसकी व्यापकता**
- संगीत के सामान्यतः दो प्रमुख भेद (गायन व वादन)
- वादन के चार प्रमुख भेद (तत् वाद्य, सुषिर वाद्य, अनवद्ध वाद्य, धन वाद्य)
- संगीत गायन के दो भेद (शास्त्रीय एवं सुगम) एवं प्राचीन संगीतकारों की दृष्टि में दो भेद - मार्गी व देशी ।
- **चंदेल शिल्प में संगीत - वादन की प्रतिमायें**

Scanned with OKEN Scanner

अध्याय - 4

- नृत्य एवं उसकी प्राचीनता
- नृत्य के तीन प्रमुख अंग (नृत्य, नृत्त, नाट्य)
- नृत्य व नृत्त के दो प्रमुख भेद (सुकुमार या लास्य एवं उद्धत या तांडव)
- **चंदेल - शिल्प में नृत्त-गणपति प्रतिमायें,** (दो भुजी, चतुर्भुजी, षडभुजी, अष्टभुजी, दसभुजी, द्वादश भुजी, चतुर्दश एवं षोडश भुजी)
- **चन्देल - शिल्प में सामान्य नृत्य - प्रतिमायें**

शिव नृत्य (लास्य, तांडव, नादन्त)

- **चंदेल - शिल्प में शिव - नृत्य की प्रतिमायें**
- रास नृत्य एवं कथक नृत्य

अध्याय - 5

- **नाट्य (कथानकों का प्रस्तुतिकरण)** 35-

- नाट्य का क्षेत्र, उसकी व्यापकता एवं उसका प्रभाव, (भरत का नाट्य शास्त्र
- नाट्य के चार अंग (आंगिक, वाचिक, आहार्य एवं सात्विक)
- **चंदेल - शिल्प में नाट्य-प्रतिमायें (शैव-प्रतिमायें)**

(शिव का गजासुर - वध, त्रिपुरान्तक स्वरुप) वीरभद्र रुप, रावणानुग्रह, किरातार्जुन, शिव - परिणय, नीलकंठ स्वरुप आदि।

- **चंदेल-शिल्प में विष्णु के अवतार** विशेषतः नृसिंह, वामन एवं त्रिविक्रम कृष्णावतार (पूतना वध, कुवलयापीड़ वध, अरिष्टासुर वध, तृणावर्त वध, चाणूर एवं वत्सासुर तथा केशी वध, कालिय - दमन, यमलार्जुन उद्धार, बलराम का रोमहर्षण वध
- चंदेल - शिल्प में विष्णु के विशिष्ट स्वरुप मुख्यतः विराट स्वरुप
- चंदेल शिल्प में महिषासुर-मर्दिनी

उपसंहार

छाया-चित्र एवं रेखा चित्र-प्लेट्स-32 57-6
कुल पृष्ठ संख्या-104

डा0 महेन्द्र वर्मा

जन्म तिथि : 2 जुलाई 1939 ई0

शैक्षणिक योग्यता : एम.ए (इतिहास) 1 (प्राचीन भा0 इति0 एवं संस्कृति) पी0एच0डी0

पुरस्कार : 1. शिक्षा विभाग, उ0 प्र0 द्वारा सन् 1975 ई0
2. अनूपशहर पुरुस्कार, उ0 प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ- सन् 1978 ई0

सम्मान : (साहित्यकार, चित्रकार, इतिहासकार के रूप में)

1. उ0 प्र0 हिन्दी संस्थान द्वारा ''विद्याभूषण सम्मान'' (25,501 की धनराशि सहित) 1996 ई0
2. उ0 प्र0 हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा सन् 1994 ई0
3. जगनिक शोध संस्थान, महोबा-सन् 1994 ई0
4. देवगढ़ महोत्सव 23, फरवरी, 1997 ई0
5. इतिहास एवं पुरातत्व परिषद, ललितपुर-30 अप्रैल, 1997 ई0
6. स्थानीय अनेक संस्थाओं द्वारा सम्मानित
7. Five Thousands Personalities of the World (VI-Ed.) (A.B.I.;U.S.A.) Year 1997

सम्बद्धता :

1. आकाशवाणी केन्द्र, छतरपुर (म0 प्र0) सितम्बर-1997 से (प्रथम वार्ताकार)
2. आकाशवाणी केन्द्र, झाँसी सन् 1995 से

अभिरुचियां :

1. - चित्रकला - सन् 1943 से व्यंग्य चित्रकारिता - (सन् 1958-1979 तक) प्रथम व्यंग्य - चित्रकार
2. साहित्य क्षेत्र में :
   - चंदेलकालीन कला और संस्कृति - दिल्ली 1992 ई0
   - प्राचीन भारत की वास्तुकला - दिल्ली 1996 ई0
   - बुन्देलखण्ड के मूर्ति-शिल्प में ''केश-सज्जा और आभूषण - दिल्ली (प्रकाशनाधीन)
   - बुन्देलखण्ड का राज0 और सांस्कृ0 इति0 (मेरठ)
   - ऐतिहासिक प्रेम गाथायें - दिल्ली 1994 ई0
   - एक और अनारकली - दिल्ली 1997 ई0
   - मुगलिया दौर की रुमानी कहानियां - दिल्ली 1999 ई0
   - सारन्धा (बुन्देली नाटक) - सागर 1983 ई0
   - नूतन सामाजिक विज्ञान - कानपुर 1982 ई0 (प्रथम संस्करण)
   - कला0 सुमन - झाँसी 1971 ई0 (प्र0 सं0)
   - लगभग 50-60 से अधिक ऐति0 व सामा0 कहानियों का प्रकाशन व आकाशवाणी छतरपुर से प्रसारण

फिल्म लेखन :

- संवाद (झोली भर दे माँ - प्रथम बुन्देली फिल्म 1994 ई0)
- ईसुरी (धारावाहिक) दूरदर्शन दिल्ली से स्वीकृत
- मसीहा, महापुरुष (धारावाहिक) भोपाल दूरदर्शन से प्रसारित
- अनेक अन्य धारावाहिकों व दो टेली फिल्मों में लेखन

सम्पर्क सूत्र : 97, गंधीगर, झाँसी - 284002 फोन : 445101, 440294

Scanned with OKEN Scanner